डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज

– वाराणसी –

परास्नातक पाठ्यक्रम

एम.ए. भाग - 2 (चतुर्थ सत्र)

-: हिन्दी विभाग :-
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

3. वरवर राव : एक हाथ और दूसरा हाथ, तुम्हारे लिए मेरा ख़ामोशी में एक मौलिक संशोधन, अम्मा, आवाज़

4. फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ : सुब्हे आजादी, मुझसे पहली सी मुहब्बत मिरे महबूब न माँग, शाम, याद।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 इंडियन लिटरेचर सिंस इंडिपेन्डेन्स : सं. के. एस. आर. आयंगर, साहित्य अकादमी, दिल्ली
2 कंपरेटिव लिटरेचर : नगेन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
3 भारतीय साहित्य : नगेन्द्र, साहित्य सदन, चिरगांव, झाँसी
4 भारतीय साहित्य : भोलाशंकर व्यास, चौखंभा, वाराणसी
5 भारतीय साहित्य की भूमिका : रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली
6 संस्कृति के चार अध्याय : दिनकर, उदयाचल, पटना
7 मृत्युंजय रवीन्द्रनाथ : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल, दिल्ली
8 आधुनिक भारतीय चिंतन : विश्वनाथ नखणे, राजकमल, दिल्ली

तेरहवाँ प्रश्नपत्र
रीतिकाव्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4 ग' 10	=	40
चार सप्रसंग व्याख्या	–	4 'ग 5	=	20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10 'ग 1	=	10
				70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1. केशवदास (रीति काव्य धारा– सं. रामचंद्र तिवारी) : कविप्रिया (संपूर्ण अंश), रसिकप्रिया (संपूर्ण अंश)
2. बिहारी (सं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) : दोहा सं0 1, 3, 6, 9, 14, 20, 27, 31, 35, 40, 41, 42, 43, 47, 56, 61, 76, 78, 85, 89, 96, 101, 107, 119, 123, 170, 183, 191,197ए 238, 241, 248, 270, 296, 305, 318, 326, 330, 340, 357, 368, 376, 388, 393, 395, 403, 414, 438, 451, 464 (50)
3. घनानंद (घनानंद कवित्त– सं0 विश्वनाथप्रसाद मिश्र) : छंद सं0 19, 25, 43, 44, 50, 68, 70,71, 75, 80, 82, 84, 86, 91, 94,(15)
4. देव (देव की दीपशिखा– सं. विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन) : छंद संख्या 4, 5, 26, 33,37,40, 42, 47, 53, 60, 62, 64, 66, 68, 72, 73, 74, 86, 108, 118 (20)
5. सेनापति : (सं. उमाशंकर शुक्ल) पहली तरंग 27, 40, 79, 92

दूसरी तरंग 6, 7, 8, 12, 21
तीसरी तरंग 28,33,39, 46, 50, 56, 60, 61 (15)

6. गालिब : दीवान–ए– गालिब (10 गजलें)– दिले–ए– नादाँ तुझे हुआ क्या है,
हज़ारों ख्वाहिशें ऐसी, दिल ही तो है ना संग ओ खिस्त,
बाज़ीचा ओ अत्फाल है दुनिया मेरे आगे, ये न थी हमारी क़िस्मत,
इश्क मुझको नहीं वहसत ही सही, ,न था कुछ तो खुदा था,
नक़्श फरयादी है, हर बात पे कहते हो, आह को चाहिए।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 रीतिकाव्य की भूमिका – नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2 रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना – बच्चन सिंह, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3 केशव का आचार्यत्व – विजयपाल सिंह, राजपाल एंड संस, दिल्ली
4 बिहारी का नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
5 घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा – मनोहर लाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
6 मध्युगीन काव्य प्रतिभाएँ – रामकली सर्राफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
7 मध्ययुगीन काव्य साधना – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
8 रीतिकालीन वीर–काव्यों का सांस्कृतिक अध्ययन –डॉ. शिवनारायण सिंह

चौदहवाँ प्रश्नपत्र
पाश्चात्य साहित्य – सिद्धांत

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	4	×	10	=	40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	–	4	×	5	=	20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न		–	10	×	1 =	10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

(क) 30 अंक

1.1 प्लेटो – प्रत्यय सिद्धान्त, काव्य प्रेरणा, अनुकृति, काव्य पर आरोप।
1.2 अरस्तू – अनुकृति, विरेचन, त्रासदी, प्लेटो और अरस्तू।
1.3 लोंजाइनस – काव्य में उदात्त की अवधारणा।
2. टी0 एस0 इलियट –परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा, निवैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण।
3.1 आई0 ए0 रिचर्ड्स – मूल्य सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत।

(ख) 40 अंक

3.2 नई समीक्षा की प्रमुख अवधारणाएं।

4.1 मार्क्सवादी समीक्षा
4.2 यथार्थवाद
4.3 साहित्य का समाजशास्त्र
5. आधुनिकता एवं औपनिवेशिकता, शास्त्रीयतावाद (क्लासिसिज्म) और स्वच्छंदतावाद (रोमांटिसिज्म),
6. साहित्यिक शैली विज्ञान, संरचनावाद, विखण्डनवाद, उत्तर आधुनिकता, उत्तर औपनिवेशिकता का सामान्य परिचय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. लिटरेरी क्रिटिसिज्म –ए शॉर्ट हिस्ट्री : विम्डासाट विलियम्स के एंड क्लीन्थ बुक्स, लंदन।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3. नई समीक्षा के प्रतिमान – निर्मला जैन, राजकमल, दिल्ली
4. कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली
5. पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पांडेय, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धान्त और वाद – डॉ. भागीरथ मिश्र
9. साहित्य का मूल्यांकन – डब्लू. बेसिल वर्सफोल्ड, अनु. डॉ. रामचन्द्र तिवारी
10. आलोचक का दायित्व – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
11. आधुनिक हिन्दी आलोचना : संदर्भ एवं दृष्टि – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
12. आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
13. कृति चिंतन और मूल्यांकन संदर्भ – डॉ. रामचन्द्र तिवारी

पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र
हिंदी समीक्षा

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	4	×	10	= 40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	–	4	×	5	= 20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न		–	10	× 1	= 10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1. रामचंद्र शुक्ल के आलोचना–कर्म का सम्यक् परिशीलन
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी के आलोचना–कर्म का सम्यक् परिशीलन
3. नंद दुलारे वाजपेयी के आलोचना–कर्म का सम्यक् परिशीलन
4. रामविलास शर्मा के आलोचना–कर्म का सम्यक् परिशीलन
5. नामवर सिंह के आलोचना–कर्म का सम्यक् परिशीलन
6. अज्ञेय और मुक्तिबोध के साहित्य चिंतन का आकलन

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिंदी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल, दिल्ली
2. हिंदी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल, राजकमल, दिल्ली
3. हिंदी आलोचक : शिखरों का साक्षात्कार – रामचंद्र तिवारी, लोकभारती, इलाहाबाद
4. आलोचक के बदलते मानदंड और हिंदी साहित्य – शिवकरण सिंह, किताब महल, इलाहाबाद
5. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
6. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना – रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली
7. दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली
8. साहित्य का नया शास्त्र – गिरिजा राय, इलाहाबाद
9. हिंदी काव्यशास्त्र पर आचार्य मम्मट का प्रभाव – राधेश्याम राय, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली
10. समकालीन हिन्दी आलोचना और आलोचना : रामबक्ष
11. नामवर की धरती : श्रीप्रकाश शुक्ल, आधार प्रकाशन, पंचकूला
12. नामवर विमर्श : सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली
13. नामवर सिंह : आलोचना की दूसरी परम्परा (सं. कमला प्रसाद), वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
14. औरत :अस्तित्व और अस्मिता : अरविंद जैन, सारांश प्रकाशन, दिल्ली
15. आलोचक और आलोचना : कमला प्रसाद, आधार प्रकाशन, पंचकूला
16. आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
17. आलोचक का दायित्व – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
18. आधुनिक हिन्दी आलोचना : संदर्भ एवं दृष्टि – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
19. कृति चिंतन और मूल्यांकन संदर्भ – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
20. साहित्य का मूल्यांकन – डब्लू. बेसिल वर्सफोल्ड, अनु. डॉ. रामचन्द्र तिवारी
21. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और समकालीन आलोचक – रामचन्द्र तिवारी
22. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : रामचन्द्र तिवारी
23. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल आलोचना कोश : रामचन्द्र तिवारी

सोलहवाँ प्रश्नपत्र
विशेष अध्ययन

नोट : इस प्रश्नपत्र से निम्नलिखित विकल्पों में से किसी एक का चयन विभागाध्यक्ष की अनुमति से करना होगा।

क साहित्यकार विशेष :

कबीर, जायसी, सूर, तुलसी, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, प्रेमचंद, प्रसाद, निराला, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, अज्ञेय, मुक्तिबोध, यशपाल, जैनेन्द्र, अमृतलाल नागर, दिनकर, नागार्जुन, रेणु, भीष्म साहनी, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह।

ख साहित्य–प्रवृत्ति विशेष : संतकाव्य, रीतिकाव्य, आधुनिक हिंदी साहित्य (1919–1947), स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कथा साहित्य, स्त्री अध्ययन और साहित्य , दलित अध्ययन और साहित्य ,सिनेमा और हिंदी साहित्य।

ग भाषा परक एवं विविध : हिन्दी भाषा शिक्षण, अनुवाद : सिद्धान्त एवं प्रयोग, प्रयोजनमूलक हिंदी, बोली विज्ञान एवं सर्वेक्षण पद्धति, हिंदी पत्रकारिता : इतिहास–सिद्धान्त और प्रयोजन, हिन्दी नाटक एवं रंगमंच, हिन्दीतर एवं देशांतर क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य, भारतीय साहित्य, लोक साहित्य।

कबीर

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4 ग 10	=	40
चार सप्रसंग व्याख्या	–	4 ग 5	=	20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10 ग 1	=	10
				70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

कबीर ग्रन्थावली : (सम्पादक : श्यामसुन्दर दास) नागरी प्र. स. काशी–निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग, चाणक कौ अंग, सुरा तन कौ अंग
कबीर : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी (कबीर वाणी संपूर्ण)

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. संत कबीर :रामकुमार वर्मा
2. कबीर साहित्य की परख : आ0 परशुराम चतुर्वेदी
3. कबीर : डॉ0 वासुदेव सिंह
4. बीजक की भाषा : शास्त्रीय अध्ययन : डॉ0 शुकदेव सिंह
5. कबीर के सबद : डॉ0 शुकदेव सिंह
6. कबीर–मीमांसा : रामचंद्र तिवारी
7. कबीर की विचारधारा : गोविन्द त्रिगुणायन
8. कबीर की खोज : राजकिशोर (सं.)
9. कबीर : पूर्ण मूल्यांकन : बलदेव वंशी (सं.)
10. कबीर : विजेन्द्र स्नातक (सं.)
11. बाज भी, कपोत भी, पपीहा भी : धर्मवीर
12. कबीर के आलोचक : धर्मवीर
13. भक्ति का सन्दर्भः देवी शंकर अवस्थी
14. भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार : गोपेश्वर सिंह
15. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
16. सूफी मत : साधना और साहित्य – रामपूजन तिवारी, ज्ञानमंडल, वाराणसी।
17. हिंदी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति – श्यामसुंदर शुक्ल, काशी हिंदू विश्वविद्यालय,वाराणसी।

18 नाथ पंथ और संत साहित्य – नागेन्द्रनाथ उपाध्याय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
19 संत साहित्य – राधेश्याम दुबे, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
20 कबीर की खोज – राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
21 पूरा कबीर –सं. बलदेव वंशी, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली
22 कबीर–वाड्.मय : रमैनी – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह
23 कबीर–वाड्.मय : सबद – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह
24 कबीर–वाड्.मय : साखी – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह
25 गोरखनाथ : नाथ सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में – डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय
26 हिन्दी सन्त काव्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन – डॉ. वासुदेव सिंह
27 मध्ययुगीन काव्य साधना – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
28 बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य – डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय
29 साहित्यिक निबंध –डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ. विजयबहादुर सिंह
30 रैदास परिचई – डॉ. शुकदेव सिंह
31 कबीर और भारतीय संत साहित्य – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
32 भये कबीर कबीर – डॉ. शुकदेव सिंह

4. आज की अम्रपाली : सरला मुद्गल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
5. औरत होने की सजा : अरविन्द जैन, विकास पेपर बैक, दिल्ली
6. स्त्री के लिए जगह : सं. राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. औरत के हक में : तसलीमा नसरीन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. परिधि पर स्त्री : मृणाल पाण्डे, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली
9. समान नागरिक संहिता : सरला माहेश्वरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
10. आधी जमीन : उपेन्द्रनाथ अश्क, नीलाभ प्रकाशन
11. दुर्ग द्वार पर दस्तक : कात्यायनी, परिकल्पना प्रकाशन, लखनऊ
12. अश्लीलता पर हमला : सं. राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. नारी प्रश्न : सरला माहेश्वरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
14. उठो अन्नपूर्णा साथ चलें : उषा महाजन, हिमांचल पुस्तक भंडार
15. चुकते नहीं सवाल : मृदुला गर्ग, सामयिक प्रकाशन
16. स्त्रीत्व का मानचित्र : अनामिका, सारांश प्रकाशन, दिल्ली
17. स्त्री का समय : क्षमा शर्मा, मेधा बुक्स
18. हव्वा की बेटी : दिव्या जैन, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर
19. औरत : अस्तित्व और अस्मिता : अरविन्द जैन, सांराश प्रकाशन
20. स्त्री देह के विमर्श : सुधीश पचौरी, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
21. आदमी की निगाह में औरत : राजेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
22. बन्द गलियों के विरुद्ध : सं. मृणाल पाण्डे एवं क्षमा शर्मा
23. इक्कीसवीं सदी की ओर : सुमन कृष्णकान्त, राजकमल प्रकाशन
24. संघर्ष के बीच : संघर्ष के बीज : सं. इलीना सेन, सारांश प्रकाशन
25. विद्रोही स्त्री : जर्मेन ग्रियर, अनु. मधु. बी. जोशी, राजकमल प्रकाशन
26. नारीवादी विमर्श : राकेश कुमार, आधार प्रकाशन, पंचकूला
27. न्याय क्षेत्रे : अन्याय क्षेत्रे : अरविन्द जैन, राजकमल प्रकाशन
28. जीवन की तनी डोर पर ये स्त्रियाँ : नीलम कुलश्रेष्ठ, मेधा बुक्स
29. स्त्री संघर्ष का इतिहास : राधा कुमार (अनुवाद), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
30. स्त्रीवादी विमर्श : समाज और साहित्य : क्षमा शर्मा, राजकमल प्रकाशन
31. स्वागत है बेटी : विभा देवसरे, मेधा बुक्स
32. हम सभ्य औरतें : मनीषा, सामयिक प्रकाशन
33. उपनिवेश में स्त्री : प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन
34. परिवार निजी संपत्ति और राज्य की उत्पत्ति : फ्रेडरिक एंगेल्स, प्रकाशनसंस्थान
35. ओ उब्बीरी : मृणाल पाण्डे, राधाकृष्ण प्रकाशन

दलित अध्ययन और साहित्य

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	4	10 ×	40	
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	–	4	5 ×	20	
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10	× 1 =	10	

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1. वर्ण व्यवस्था में शूद्र, प्राचीन भारत में शूद्रों की सामाजिक–आर्थिक भागीदारी, सामंतवादी समाज में जाति व्यवस्था, शूद्र वर्ण में जातियों का महाजाल और स्तर भेद, स्वतंत्रता संघर्ष और नवजागरण में दलित प्रश्न, अंबेडकर के कांतिकारी प्रयास, शूद्र हरिजन या दलित, दलित : वर्ग या वर्ण, आधुनिकता और दलित।
2. भारतीय संविधान में दलितों के अधिकार, दलित मध्यवर्ग का उभार, दलित नवजागरण, भारतीय लोकतंत्र में दलित राजनीति, दलित स्त्रियाँ, दलित वैचारिकी।
3. भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य, दलित मुक्ति आन्दोलन और भक्ति साहित्य, दलित साहित्य के लिए वैकल्पिक सौन्दर्यशास्त्र, दलित साहित्य की अवधारणा, दलित साहित्य के मुख्य सरोकार, दलित साहित्य में सहानुभूति बनाम स्वानुभूति, प्रेमचंद और निराला का दलित समाज संबंधी साहित्य।
4. आत्मकथायें – जूठन (ओमप्रकाश वाल्मीकि), अपने अपने पिंजरे (मोहनदास नैमिशराय), तिरस्कृत (सूरजपाल चौहान)
5. पाठ : दलित वैचारिकी का आधार : – ज्योतिबा फूले, बी. आर. अंबेडकर, कांशीराम
6. कहानियाँ : दलित कहानी संचयन (सं. रमणिका गुप्ता)।

नोट : प्रथम तीन इकाइयों से तीस अंक एवं अंतिम तीन इकाइयों से चालीस अंकों के प्रश्न पूछे जाएँगे। व्याख्यायें नहीं पूछी जाएँगी।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र : शरण कुमार लिम्बाले
2. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र : ओमप्रकाश वाल्मीकि
3. दलित डायरी : चन्द्रभान प्रसाद
4. कबीर के आलोचक : डॉ. धर्मवीर
5. कबीर के कुछ और आलोचक : डॉ. धर्मवीर
6. सूत न कपास : डॉ. धर्मवीर
7. कबीर और रामानंद : किंवदन्तियां : डॉ. धर्मवीर
8. डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी का प्रक्षिप्त चिंतन और संत रैदास का निवर्ण सम्प्रदाय : डॉ. धर्मवीर
9. कबीर : बाज भी कपोत भी पपीहा भी : कंवल भारती
10. संत रैदास का विश्लेषण : डॉ. धर्मवीर
11. लोकतंत्र में भागीदारी का सवाल और दलित साहित्य की भूमिका : जयप्रकाश कर्दम
12. दलित साहित्य में सामाजिक–सांस्कृतिक चेतना : श्योराज सिंह बेचैन
13. हिन्दी दलित पत्रकारिता पर अम्बेडकर का प्रभाव : श्योराज सिंह बेचैन
14. हिन्दी उपन्यासों में दलित वर्ग : कुसुम मेघवाल
15. इक्कीसवीं सदी में अम्बेडकर : डॉ. रघुवीर सिंह
16. दलित कहाँ जायें : जियालाल आर्य
17. दलित साहित्य सृजन के संदर्भ में : डॉ. चमनलाल
18. स्वतंत्रता संग्राम के दलित कांतिकारी : मोहनदास नैमिशराय
19. दलित साहित्य रचना और विचार : पुरुषोत्तम सत्यप्रेमी

20. आज का दलित साहित्य : डॉ. तेज सिंह
21. चिंतन की परम्परा और दलित साहित्य : डॉ. श्योराज सिंह बेचैन, डॉ. देवेन्द्र चौबे
22. दलित दखल : (सं.) डा. श्योराज सिंह बेचैन, डॉ. रजत रानी मीनू
23. धर्मांतरण और दलित : (सं.) जयप्रकाश कर्दम
24. दलित विमर्श : सन्दर्भ गाँधी : गिरिराज किशोर
25. दलित साहित्य की अवधारणा और प्रेमचंद : (सं.) सदानंद साही